<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 5637

02 अप्रैल, 2018 को उत्तर के लिए

कार्बन फुटप्रिंट की कटौती

5637. डॉ॰ किरिट पी॰ सोलंकीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 के उद्देश्यों में से एक इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में बढ़ते घरेलू इस्पात उत्पादन के आलोक में इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने हेतु अब तक क्या कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): जी हाँ।

(ख): भारतीय इस्पात कंपनियों ने नवीनतम विकसित स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त प्रौद्योगिकियों को अपनाते हुए पर्याप्त मात्रा में विस्तार/नवीनीकरण/आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किए हैं जिनके अंतर्गत वेस्ट हीट/ऊर्जा उपयोग, ब्लास्ट फर्नेस में उच्चतर कोल डस्ट का उपयोग इत्यादि पर जोर दिया गया है। नवीनतम प्रौद्योगिकियों को अपनाकर नए ग्रीन फील्ड संयंत्रों की स्थापना की गई है। इन सभी के परिणामस्वरूप उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा ऊर्जा एवं जीएचजी उत्सर्जन की मात्रा में कमी आई है।

सरकार न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनईडीओ), जापान के सहयोग से एकीकृत इस्पात संयंत्रों में वेस्ट हीट/ऊर्जा का इस्तेमाल करने तथा कार्बन फुट प्रिंट में कमी लाने के लिए संबंधित प्रौद्योगिकियाँ अपनाए जाने को सुविधाजनक बनाती रही है। सरकार ने यूनाइटेड नेशन्स डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) और एयूएस-एड के सहयोग से स्टील रि-रोलिंग मिलों और इलेक्ट्रिक इंडक्शन फर्नेस क्षेत्र में कम ऊर्जा खपत वाली प्रौद्योगिकियाँ अपनाए जाने को सुविधाजनक बनाया है।

*****